विद्यालय नेतृत्व: पठन और लेखन

हिन्दी
मैंने जब अपने staff से need-based teaching पर बात किया, तो उन्होंने कहा कि, ‘‘हमारे school में जो बच्चे हैं, उनको reading writing skills में ही problem है!” Subject matter तो बाद में आता है! Nineth, tenth में subject matter काफी है! पर बच्चों की reading writing skill उतनी अच्छी ना होने की वजह से, उनको आता तो है, पर वो उनको express नहीं कर पाते हैं। तो सबसे पहले हमको लगा कि बच्चों की reading writing skill को improve करने के लिए उन्हें need-based teaching की जरूरत है। तो मैंने वो plan बनाया अपने teachers के साथ। और specially हमारी हिन्दी teacher और English teacher ने इसमें विशेष सहयोग दिया। और सभी और teachers जब अपना subject पढ़ाते हैं, उस समय बच्चे अगर ग़लत लिखते हैं, कोई भी subject पढ़ाया जा रहा हो, उसमें अगर बच्चे गलत लिखते हैं, या गलत बोलते हैं, तो teacher फिर वो basic पर जाकर उनको clear करते हैं। जैसे अगर उन्होंने कोई word गलत लिखा है, हिन्दी का word गलत लिखा है तो फिर से वर्णमाला पर जाकर कि इसमें कहाँ गलती है? इसको कैसे बोलेंगे? कैसे लिखेंगे? तो साथ-साथ जो basic concept हैं, वो clear करते जाएँ, ये हमारे teachers कर रहे हैं। केवल ऐसा नहीं है कि class में जाकर बस subject matter पढ़ाया, बच्चों को समझ आया, कि नहीं... ऐसा नहीं है! हम लोग बच्चों के background को समझते हुए, उनकी जो reading writing skill हैं, उनको समझते हुए, उसके हिसाब से need-based teaching plan बना कर काम करते हैं।